14/7/21

प्र: आप अपने घर में अतिथियों का सत्कार कैसे करते हो? अतिथि तुम कब जाओगे पाठ में लेखक अतिथि का सत्कार कैसे किया?

उ) घर में मेहमान के आने पर हम उनका आदर सत्कार बड़े ही आदर भाव के साथ करेंगे। उन्हें सम्मान के

साथ घर में स्वागत करेगें, क्योंकि उन्होंने अपना कीमती समय निकालकर हमारे पास आने का समय निकाला। प्यार के साथ उनसे बात करेगें। उन्हें जलपान करवाएंगे। हमारे वेदों और पुराणों में लिखा है कि अतिथि देवो भव अर्थात अतिथि भगवान का रूप होता है। इसलिए उनकी सेवा एवं सम्मान कर हम अपना कर्तव्य निभाएंगे। अतिथि या मेहमान के आने पर हम ऐसा कोई भी काम नहीं करेंगे जिनसे उन्हें कोई मुश्किल हो।

अतिथि तुम कब जाओगे पाठ में लेखक ने अतिथि का सत्कार एक सीमा-पार भाव को स्वीकार कर के की है। पहले दिन उन्होंने अतिथि को तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाकर दिए थे, दूसरे ही दिन उन्होंने उनको दोपहर के भोजन की गरिमा प्रदान की थी, साथ-ही-साथ सिनेमा दिखाना के लिए भी ले गए थे। तिसरे दिन सारे कपड़े लॉन्ड्री या धोबीघर से धुलवाए इसके बाद भी उन्होंने उनकी और २-३ दिन अपने घर में सत्कार देते हुए रखा, और जितना भी कष्ट हो, उन्होंने उनकी सभी कामनाओं की पूर्ति की, और एक श्रेष्ठ अतिथि सत्कार प्रदान किया, कोई एक भी सिकायत का मौका भी नहीं दिया।